

संपादकीय

फार्मा कंपनियों के तोहफे

लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितों पर कुठाराघात करके, फार्मा कंपनियां उपहार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साथ रही हैं। फार्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उत्पाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब-कुछ जानते-बूझते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार को अब निर्देश देना पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगायमाने के लिये विशेषज्ञ कमेटी बनायी जाए। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को महंगे तोहफे, विदेश यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जूझ रहा मरीज यातिमारदार आमतौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सस्ता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्टू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनैतिक परिपाटी पर अंकुश लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफार्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसिज- 2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश-विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं पाने या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाकायदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खचों की जानकारी देने और शीर्ष पैनेल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा-कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम-कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए? पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्वेच्छा से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामले होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियों का खेल जारी नहीं है। दरअसल, कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामले की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फार्मा लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायतें कम नजर आती हैं। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या ड्रा एंड कॉन्सट्रिक्ट्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी वैधता को लेकर प्रश्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट-लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हितों के टकराव, जानकारी उजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों में सजा, स्वतंत्र जांच और मेडिकल रेगुलेटरी की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी नये कानून की जरूरत का पता चल सके।

9 दिन, 9 शक्तियाँ, 9 संकल्प

नवरात्रि-आत्मशक्ति के जागरण से व्यक्तित्व निर्माण तक



—डॉ. चेतन आनंद
(कवि एवं पत्रकार)

■ स्मार्ट विज़न समाचार

भारतीय संस्कृति में शक्ति की उपासना का अर्थ केवल देवी के समक्ष शीश झुकाना नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान साहस, विवेक, करुणा, धैर्य, अनुशासन और सृजनशीलता को पहचानना भी है। नौ दिनों तक माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें यह संदेश देती है कि मनुष्य अपने जीवन में नौ ऐसे संकल्प धारण करे, जो उसके व्यक्तित्व को निखारें और समाज को बेहतर बनाने में योगदान दें। शक्ति की अवधारणा भारतीय दर्शन में व्यापक है। यहाँ शक्ति केवल बाहुबल नहीं, बल्कि आत्मबल, ज्ञानबल, इच्छाशक्ति और सद्कर्म की सामर्थ्य भी है। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर के अंधकार दूर करता है, उसी प्रकार जागृत चेतना वाला मनुष्य अपने आचरण से निराशा, अज्ञान और नकारात्मकता को दूर कर सकता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं—हृद्देश्ये दाम्नात्मानं नात्मानमवसादयेत्। (भगवद्गीता, अध्याय 6, श्लोक 5) अर्थात् मनुष्य को स्वयं अपने द्वारा अपना उद्धार करना चाहिए, स्वयं को नीचे नहीं गिराना चाहिए। यह संदेश नवरात्रि के मूल भाव से जुड़ता है। देवी की आराधना के साथ यह दिहम अपने भीतर सुधार का प्रयास करें, तो यह पर्व हमारे जीवन में वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

प्रथम दिन-माँ शैलपुत्री-
द्दृढ़ता और संकल्प

माँ शैलपुत्री पर्वत की दृढ़ता और स्थिरता की प्रतीक मानी जाती हैं। उनका स्वरूप हमें सिखाता है कि किसी भी महान कार्य की शुरुआत मजबूत संकल्प से होती है। जीवन में परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, लेकिन लक्ष्य के प्रति निष्ठा बनी

रहनी चाहिए। पहला संकल्प-मैं कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और दृढ़ता बनाए रखूँगा तथा अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होऊँगा।

द्वितीय दिन-माँ ब्रह्मचारिणी-
अनुशासन और साधना

माँ ब्रह्मचारिणी तप, त्याग, संयम और साधना का संदेश देती हैं। कोई भी व्यक्ति केवल इच्छाएँ करने से सफल नहीं होता। सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, समय का सदुपयोग और आत्मनुशासन आवश्यक हैं। विद्यार्थी हों, लेखक हों, कर्मचारी हों अथवा उद्यमी, हर क्षेत्र में निरंतर साधना ही श्रेष्ठता का मार्ग बनती है। दूसरा संकल्प- मैं समय का सम्मान करूँगा, आलस्य से बचूँगा और प्रतिदिन अपने ज्ञान तथा कौशल में वृद्धि करूँगा।

तृतीय दिन-माँ चंद्रघंटा-
साहस और न्याय

माँ चंद्रघंटा का स्वरूप साहस, सजगता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। साहस का अर्थ किसी को दबाना नहीं, बल्कि निर्बल की रक्षा करना और सत्य के पक्ष में खड़े होना है। समाज में अन्याय तब बढ़ता है, जब सज्जन लोग मौन रहना ही अपनी सुरक्षा समझने लगते हैं। तीसरा संकल्प- मैं अन्याय का समर्थन नहीं करूँगा, निर्बल की सहायता करूँगा और सत्य के पक्ष में विवेकपूर्ण ढंग से आवाज उठाऊँगा।

चतुर्थ दिन-माँ कूष्मांडा-
सृजन और सकारात्मकता

माँ कूष्मांडा को सृजन और ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। मनुष्य की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसने कितनी कठिनाइयाँ झेलीं, बल्कि इससे भी होती है कि उसने उन परिस्थितियों में कितना सृजन किया। एक विचार, एक कविता, एक पुस्तक, एक उपयोगी आविष्कार अथवा किसी जरूरतमंद की सहायता ये सभी सकारात्मक सृजन के रूप हैं। चौथा संकल्प- मैं नकारात्मकता फैलाने के स्थान पर सकारात्मक विचारों, रचनात्मक कार्यों और उपयोगी प्रयासों को प्राथमिकता दूँगा।

पंचम दिन-माँ स्कंदमाता-
प्रेम और जिम्मेदारी

माँ स्कंदमाता मातृत्व, स्नेह और संरक्षण का प्रतीकात्मक संदेश देती



हैं। परिवार और समाज का वास्तविक आधार प्रेम, संवेदना और जिम्मेदारी है। केवल अधिकार माँगने से रिश्ते मजबूत नहीं होते, दूसरों की आवश्यकताओं को समझना और उनके सुख-दुःख में साथ खड़ा होना भी जरूरी है। पाँचवाँ संकल्प-मैं अपने परिवार, मित्रों और समाज के प्रति संवेदनशील रहूँगा तथा अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाऊँगा।

षष्ठम दिन-माँ कात्यायनी-
आत्मसम्मान और कर्मठता

माँ कात्यायनी का स्वरूप शक्ति, पराक्रम और अन्याय के प्रतिरोध की प्रेरणा देता है। आत्मसम्मान का अर्थ अहंकार नहीं, बल्कि अपने मूल्यों पर दृढ़ रहना है। जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए साहस के साथ कर्मठता भी आवश्यक है। भगवद्गीता का कर्मयोग हमें फल की चिंता में उलझने के बजाय अपने कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करने की शिक्षा देता है। छठा संकल्प-मैं अपने आत्मसम्मान की रक्षा करूँगा, कर्तव्यनिष्ठ रहूँगा और कठिनाइयों से भागने के बजाय उनका समाधान खोजूँगा।

सप्तम दिन-माँ
कालरात्रि-भय पर विजय

माँ कालरात्रि का उग्र स्वरूप भय

और नकारात्मक शक्तियों के विनाश का प्रतीक माना जाता है। मनुष्य के जीवन में कई बार असफलता, आलोचना, अनिश्चितता और परिवर्तन का भय उसे आगे बढ़ने से रोकता है। भय से मुक्त होने का अर्थ खरे को अनदेखा करना नहीं, बल्कि उसका सामना विवेक और तैयारी के साथ करना है। सातवाँ संकल्प- मैं असफलता के भय से अपने प्रयास नहीं रोकूँगा और अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करूँगा।

अष्टम दिन-माँ महागौरी-
शुद्धता और क्षमा

माँ महागौरी का स्वरूप पवित्रता, शांति और निर्मलता का प्रतीक है। जीवन की वास्तविक सुंदरता केवल बहारी रूप में नहीं, बल्कि विचारों की स्वच्छता, व्यवहार की विनम्रता और हृदय की उदारता में होती है। ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध की भावना मनुष्य की आंतरिक शांति को नष्ट करती है। आठवाँ संकल्प-मैं अपने विचारों और व्यवहार को शुद्ध रखने का प्रयास करूँगा, अपनी गलतियों को स्वीकार करूँगा तथा जहाँ उचित होगा, वहाँ क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाऊँगा।

नवम दिन-माँ सिद्धिदात्री-

ज्ञान और लोककल्याण

माँ सिद्धिदात्री को सिद्धि और पूर्णता प्रदान करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। इस स्वरूप का एक व्यावहारिक संदेश यह भी है कि ज्ञान और सामर्थ्य का सर्वोत्तम उपयोग लोककल्याण में होना चाहिए। केवल व्यक्तिगत उपलब्धियाँ पर्याप्त नहीं हैं, हमारी सफलता से दूसरों को क्या लाभ मिला, यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। नौवाँ संकल्प- मैं अपने ज्ञान, अनुभव, संसाधनों और सामर्थ्य का उपयोग समाज की भलाई तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए करूँगा।

नौ संकल्पों से
जीवन में परिवर्तन

केवल संकल्प लेना पर्याप्त नहीं है। उसे व्यवहार में उतारना ही वास्तविक साधना है। यदि हम प्रतिदिन अपने आचरण की समीक्षा करें, अपनी एक कमजोरी पहचानें और उसमें सुधार का छोट्टा-सा प्रयास करें, तो नौ दिन की साधना जीवनभर की आदत बन सकती है। इसके लिए प्रतिदिन स्वयं से तीन प्रश्न पूछे जा सकते हैं- आज मैंने कौन-सा अच्छा कार्य किया? आज मुझसे कौन-सी गलती हुई और मैं उससे क्या सीख सकता हूँ? कल मैं अपने व्यवहार में कौन-सा एक सुधार करूँगा? इन प्रश्नों के उत्तर

हमें आत्ममंथन की दिशा में ले जाते हैं। यह प्रक्रिया किसी धार्मिक कर्मकांड का विकल्प नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ने वाली आत्मानुशासन की एक उपयोगी विधि है।

देवी की आराधना से
आत्मजागरण तक

नवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल विजय प्राप्त करना नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाना भी है। जिस व्यक्ति में साहस है, लेकिन करुणा नहीं, उसकी शक्ति अधूरी है। जिसके पास ज्ञान है, लेकिन विनम्रता नहीं, उसका विवेक अधूरा है। जिसके पास सफलता है, लेकिन समाज के प्रति उत्तरदायित्व नहीं, उसकी उपलब्धियाँ भी अधूरी हैं। आएँ, इस नवरात्रि हम केवल देवी के नौ स्वरूपों की पूजा ही न करें, बल्कि उनसे प्रेरित नौ गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करें। दृढ़ता, अनुशासन, साहस, सृजनशीलता, करुणा, आत्मसम्मान, निर्भयता, निर्मलता और लोककल्याण से नौ गुण हमारी व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। नौ दिन, नौ शक्तियाँ, नौ संकल्प और लक्ष्य केवल एक अपने भीतर के श्रेष्ठ मनुष्य को जागृत करना। जय माता दी!

24 घंटे में नहीं रुके तो करेंगे अनशन...

प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारियों पर भड़के वांगचुक



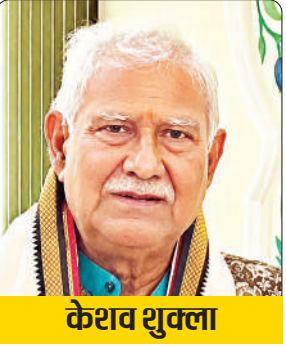
नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शनिवार को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन को रोकने के लिए छात्र और युवा नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि देश में स्थिति 'अघोषित आपातकाल' जैसी लग रही है। उन्होंने सरकार से गिरफ्तारियाँ रोकने और बातचीत के जरिए मुद्दों का समाधान करने की अपील की। वांगचुक ने चेतावनी दी कि यदि अगले 24 घंटे में पाबंदियाँ नहीं हटाई गईं, तो वह लेह या दिल्ली में शांतिपूर्ण धरना देने, भूख हड़ताल करने या पदयात्रा निकालने पर विचार कर सकते हैं।

दिल्ली में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों की खबरों के बाद वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश भी साझा किया। वे गिरफ्तारियाँ जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए की गई थीं। सीजेपी ने मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन का आह्वान किया था। वांगचुक ने अपनी पोस्ट में कहा, "मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अघोषित आपातकाल के दौर से गुजरेगा। मुझे शीथी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए इतने सारे नेता मौजूद हैं,

लेकिन अब मुझे पता चला है कि उन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है।" उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जल्द रिहा कर दिया जाएगा। यदि उन्हें कल तक रिहा नहीं किया गया, तो मैं अनशन या पदयात्रा निकालने पर विचार करने के लिए मजबूर हो जाऊँगा।" वांगचुक ने एक वीडियो संदेश भी साझा किया, जिसमें 'अघोषित आपातकाल' की निंदा करते हुए सरकार से बातचीत के जरिए मुद्दों का समाधान करने की अपील की।

वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, "मुझे पता चला कि आज (शनिवार) दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें छात्र नेता, युवा नेता, वकील, पत्रकार और यहां तक कि सांसद भी शामिल हैं। कल जब मैंने आप सभी को आज के प्रदर्शनों के दौरान शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह करते हुए संदेश भेजा था, तब मुझे विश्वास था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों की निश्चित रूप से अनुमति दी जाएगी।"

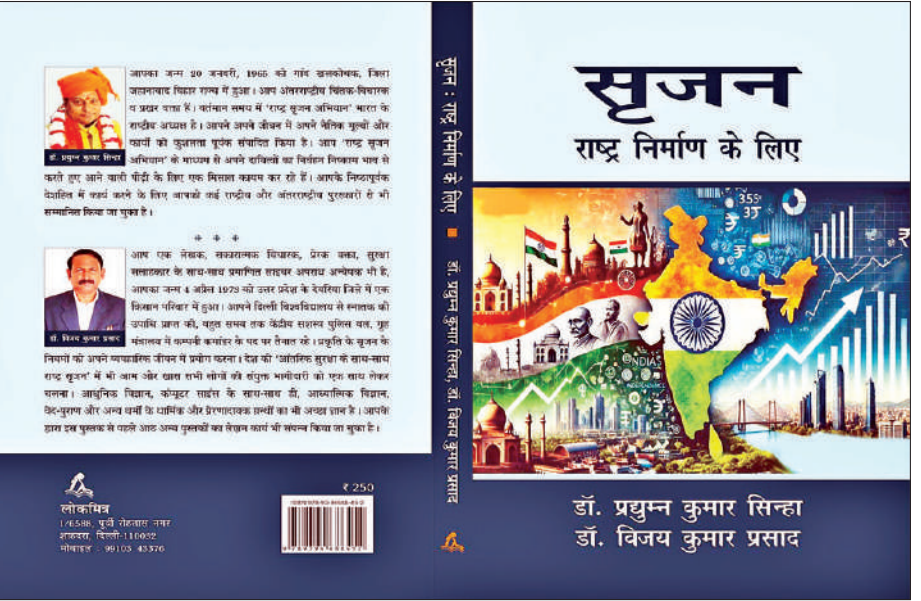
प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की और पाबंदियाँ लगाईं। प्रदर्शन में शामिल होने की कोशिश कर रहे विपक्ष के कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, पिनारई विजयन और माणिक सरकार शामिल हैं।



■ स्मार्ट विज़न समाचार

राष्ट्र के विकास की सोच से राष्ट्र का नवनिर्माण होता है।सृजन किसी भी राष्ट्र के निर्माण का प्राथमिक तत्व होता है।इसमें अव्यात्म, विज्ञान, ज्ञान,परंपराएं, संस्कार और आधुनिक विचार दृष्टि आदि व्यापक विषय स्वतः समाविष्ट होते हैं। रसृजन राष्ट्र निर्माण के लिए र पुस्तक नहीं एक ग्रंथ है। इसके युवा लेखक डॉ.प्रद्युम्न कुमार सिन्हा एवं डॉ. विजय कुमार प्रसाद हैं।यह ग्रंथ बहुआयामी, चिंतनपरक एवं विचारोत्तेजक कृति है।लेखक ने सृजन जैसे व्यापक विषय पर ज्ञान-विज्ञान, अध्यात्म, भारतीय दर्शन, जीवन- पद्धति,सामाजिक चेतना तथा राष्ट्र-निर्माण के अन्य तत्वों पर सार्थक चिंतन इस ग्रंथ में किया है।

बिहार के जहानाबाद के जिले मखदुमपुर से एक किलो मीटर पर नेशनल हाइवे पर स्थित बाबू राम विलास सिंह जेठवाण ने जन्में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू राम विलास सिंह



के पैर एवं शिक्षा विद रामप्रताप सिंह जी के सुपुत्र हैं डॉ.प्रद्युम्न सिन्हा , डॉ. विजय कुमार प्रसाद ने यह ग्रंथ लिखा है। यह ग्रंथ लिखा है।

बाबू राम विलास सिंह जी ने भारत के स्वतंत्र होने के बाद राष्ट्र सृजन की अवधारणा प्रस्तुत की इसके अंतर्गत महिलाओं को शिक्षा, ग्रामों को उद्योग-धंधों से जोड़ने, भूखों को अन्न, वस्त्रहीन को वस्त्र देने सहित अनेक कार्य न केवल किये वरन राष्ट्र सृजन के लिए इन कार्यों के महत्व को प्रतिष्ठापित किया। उनके बाद सृजन को राष्ट्र निर्माण के लिए संवर्धन बनाकर उक्त कार्य को जारी रखा। इस कार्य को उन्होंने देश ही नहीं विदेशों में

भी फैलाया। इस श्रृंखला में सृजन राष्ट्र निर्माण के लिए ग्रंथ भी शामिल है। इस कृति की प्रमुख विशेषता राष्ट्र के समग्र विकास की अवधारणा है। प्रकृति और ब्रह्मांड की संरचना से लेकर ईश्वर और सृष्टि, वेदों एवं पुराणों में सृजन की अवधारणा, श्रीमद्भगवद्गीता का कर्मयोग, गायत्री मंत्र, विकासवाद तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे विविध विषयों पर लेखकद्वय ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं।इससे स्पष्ट है कि वे सृजन को एक निरंतर गतिशील एवं सार्वभौमिक प्रक्रिया के रूप में देखते हैं। पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सृजन को राष्ट्र- निर्माण से जोड़ना

है।लेखक के अनुसार राष्ट्र का निर्माण केवल शासन-व्यवस्था अथवा राजनीतिक संस्थाओं से नहीं वरन वहां निवास करने वाली जनता की कर्तव्यनिष्ठा, त्याग, परिश्रम, नैतिकता और सृजनशील चेतना से होता है।इस संदर्भ में युवा शक्ति, राष्ट्रहित, राजधर्म, अन्नदाता, व्यक्तिगत आहुति और राष्ट्र-संकल्प जैसे विषय विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। इस ग्रंथ में विज्ञान और अध्यात्म के मध्य संवाद स्थापित करने का भी प्रयास दिखाई देता है।लेखक ने भारतीय ज्ञान-परंपरा और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि को साथ रखकर सृष्टि एवं जीवन के रहस्यों को समझने की जिज्ञासा उत्पन्न की है। यह वैचारिक

दृष्टि इस ग्रंथ को सामान्य राष्ट्रवादी विमर्श से अलग एक व्यापक वैश्विकदृष्टि देता है।

ग्रंथ सृजन : राष्ट्र निर्माण के लिए पाठक को केवल सृष्टि के स्वरूप पर विचार करने के लिए प्रेरित नहीं करती अपितु उसे आत्ममंथन के लिए भी उद्यत करती है कि वह स्वयं अपने जीवन, समाज और राष्ट्र के लिए क्या सृजन कर रहा है। पुस्तक का संदेश स्पष्ट है कि ज्ञान से विचार, विचार से संकल्प और संकल्प से कर्म का उदय होता है; यही कर्म राष्ट्र के नव-सृजन का आधार बन सकता है। सृजन :राष्ट्र निर्माण के लिए ग्रंथ की भाषा सरल,सहज एवं प्रभावोत्पादक है।शैली पर विचार करें तो वह संवादात्मक है।पढ़ने पर लगता है कि ग्रंथ पाठकों से संवाद कर रही है।युग बदल रहा है,लोगों की सोच बदल रही है,विकास की परिभाषाएं भी बदल रही हैं।ऐसे समय अपनी जड़ों से भी जुड़े रहने की आवश्यकता है।

कहीं ऐसा न हो कि हम और हमारा देश विकसित हो पर अपनी पहचान, अपनी संस्कृति और संस्कारों से दूर हो जाएं। यह कृति पाठकों को भारतीय दर्शन, विज्ञान, अध्यात्म और राष्ट्रीयता से जोड़े रखती है तथा उसे विकासशीलता पर कदम भी बढ़ाने को प्रेरित करती है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि यह सृजन को व्यक्तिगत विकास से आगे ले जाकर राष्ट्र के सामूहिक उथ्थान की चेतना से जोड़ती है।यह ग्रंथ बहुआयामी है साथ ही संग्रह योग्य है।

गाजियाबाद/आसपास

गाजियाबाद, रविवार 11 अक्तूबर 2026

छह साल बाद विधवा को मिला मकान पर कब्जा जनसुनवाई में शिकायत के बाद प्रशासन ने कराई जांच, पीड़िता बोलीं—डीएम ने दिलाया न्याय

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। जनसुनवाई में की गई शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने मोदीनगर निवासी विधवा महिला अंजली को छह साल बाद उसके मकान पर कब्जा दिलाया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच की और दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद पीड़िता को उसके मकान पर कब्जा दिलाया। कृष्णा नगर, गली नंबर-2, मोदीनगर निवासी अंजली पत्नी स्वर्गीय अशोक कुमार ने बताया कि उनके पति का वर्ष 2015 में निधन हो गया था। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और दो बेटियाँ हैं। अंजली के मुताबिक वर्ष 2020 में



उनके जेट ने मकान में शौचालय और स्नानघर बनवाने की बात कहकर उन्हें कुछ समय के लिए घर से बाहर भेज दिया था। जब वह बच्चों के साथ वापस लौटीं तो उन्हें मकान में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

पुलिस-प्रशासन के चक्कर काटती रहीं : अंजली ने बताया कि मकान पर अपना अधिकार पाने के लिए उन्होंने कई बार पुलिस चौकी, थाने और संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन समस्या का

समाधान नहीं हुआ। सितंबर माह में वह जिलाधिकारी के समक्ष जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए। जांच के दौरान

अधिकारियों ने पीड़िता से जानकारी लेने के साथ उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। इसके बाद प्रशासन की कार्रवाई में अंजली को उनके मकान पर कब्जा दिलाया गया। कब्जा मिलने के बाद पीड़िता ने राहत की सांस ली।

बोलीं- डीएम का दिल से आभार

अंजली ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ का आभार जताते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही उनकी परेशानी का समाधान प्रशासन के हस्तक्षेप से हुआ है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी गरीब और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं। अंजली ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताते हुए कहा कि उन्हें प्रशासन की पहल से न्याय मिला है। कब्जा दिलाए जाने के दौरान उप जिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह, एसीपी साहिबाबाद, तहसीलदार समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद: डिवाइडर से टकराकर पलटी

रुड़की डिपो की बस, मची चीख-पुकार

गाजियाबाद। गंगनहर के पास रविवार सुबह करीब 9:30 बजे पिलर नंबर 969 के निकट रुड़की डिपो की तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में करीब 15 यात्री घायल हो गए। घायलों को मुरादनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। बताया गया कि बस में करीब 25 यात्री सवार थे। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। घायलों में रहमान, रिहान, मुबारक, अकरम, जुबैर, इकबाल और मुस्लिम निवासी बुलंदशहर शामिल हैं। ये सभी निजामुद्दीन से रुड़की जमात में शामिल होने जा रहे थे।

वेव सिटी पुलिस ने साइबर ठगी के 4.83 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराए



गाजियाबाद। वेव सिटी पुलिस और साइबर सेल ने एक पीड़ित के 4 लाख 83 हजार रुपये वापस कराए हैं। साइबर ठगी का शिकार हुए इस व्यक्ति को रकम वापस मिलने से राहत मिली। पुलिस को शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई की गई, जिससे यह संभव हो पाया। एसीपी वेव सिटी प्रियांशी पाल ने बताया कि पुलिस साइबर अपराध रोकने और पीड़ितों के पैसे वापस दिलाने में लगी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि

ऑनलाइन लेनदेन करते समय सावधान रहें। किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी या एटीएम डिटेल न दें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से भी बचें। पुलिस ने कहा कि साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। पुलिस लोगों से सतर्क रहने की अपील करती है।

खोड़ा में घर में घुसकर सिलाई कारीगर की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। खोड़ा कॉलोनी के वंदना एन्क्लेव में शनिवार रात अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर एक सिलाई कारीगर की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मृतक की पहचान अंशुल (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का रहने वाला था और वर्तमान में खोड़ा की वंदना एन्क्लेव कॉलोनी में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। अंशुल नोएडा स्थित



एक एक्सपोर्ट कंपनी में सिलाई का काम करता था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात अज्ञात हमलावर घर में घुसे और अंशुल को गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ

करने के साथ ही घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है, ताकि हमलावरों की पहचान कर उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। आईटीएस फिजियोथेरेपी कॉलेज में 10 अक्तूबर को बीपीटी पाठ्यक्रम के नवप्रवेशित बैच 2026-30 के विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम द्वापेट गालाहू रखी गई। विद्यार्थियों ने आकर्षक परिधानों, रचनात्मक फैशन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बनाया।

कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-डी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चौधरी एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चौधरी के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन डॉ. आर.पी. चौधरी, वाइस चेयरमैन अर्पित चौधरी, निदेशक जनसंपर्क सुरिंदर सुद,



फिजियोथेरेपी संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. एम. थंगराज तथा आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधानाचार्य डॉ. एम. थंगराज ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए संस्थान की सुविधाओं, संसाधनों और रैगिंग मुक्त परिसर की

जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुशासन और समर्पण पर ध्यान देने का आह्वान किया।

नृत्य-संगीत से विद्यार्थियों ने बांधा समां : कार्यक्रम में बीपीटी तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं रिया और उर्जा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद



विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन और कविता के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में विभिन्न उपाधियों के लिए प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें मिस आईटीएस आकांक्षा विशाल, मिस्टर आईटीएस अंशुपन, मिस फ्रेशर

तान्या, मिस्टर परफॉर्मर ध्रुव और मिस परफॉर्मर मिशबा चुने गए। कार्यक्रम का समापन रोमांचक डीजे पार्टी के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने संगीत और मनोरंजक गतिविधियों का जमकर आनंद लिया। इस दौरान संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जिला कारागार डायना पहुंचे आईएएमआर कॉलेज के विद्यार्थी, बंदियों के कानूनी अधिकारों की ली जानकारी

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। डायना स्थित जिला कारागार में 9 अक्टूबर को आईएमआर कॉलेज और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में जेल विजिट का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं, उनके कानूनी अधिकारों तथा न्याय पाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। जेल विजिट के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि जिला कारागार में



बंदियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं का ध्यान किस प्रकार रखा जाता है। उन्हें बंदियों के कानूनी अधिकारों, वकील की सहायता

प्राप्त करने और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही जरूरतमंद व्यक्तियों तक निःशुल्क कानूनी सहायता पहुंचाने

के महत्व से अवगत कराया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून की सैद्धांतिक पढ़ाई के साथ उसके व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। जेल विजिट के माध्यम से विद्यार्थियों को न्याय व्यवस्था की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने तथा बंदियों के अधिकारों और उनके प्रति कानूनी दायित्वों के बारे में जानने का अवसर मिला। इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां विद्यार्थियों को कानून के वास्तविक अनुप्रयोग, मानवीय अधिकारों और विधिक सहायता की भूमिका को समझने में मदद करती हैं।

गाजियाबाद में विधवा अंजली को मिला मकान पर कब्जा, वर्षों की भागदौड़ के बाद दूर हुई परेशानी

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। पति की मृत्यु के बाद अपने चार बच्चों के साथ मकान पर अधिकार के लिए वर्षों से संघर्ष कर रही विधवा महिला अंजली को आखिरकार राहत मिली। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच की और इसके बाद अंजली को उनके मकान पर कब्जा दिलाया। लंबे समय से परेशान महिला ने प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष जताते हुए जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंजली पत्नी स्वर्गीय अशोक कुमार, निवासी कृष्णा नगर, गली नंबर-2, मोदीनगर के अनुसार, उनके पति का वर्ष 2015 में निधन हो गया था। पति अपने पीछे उन्हें और चार बच्चों—दो बेटों और दो बेटियों—को छोड़ गए थे। अंजली ने बताया कि वर्ष



2020 में उनके जेट ने मकान में शौचालय और स्नानघर बनवाने की बात कहकर उन्हें कुछ समय के लिए घर से बाहर रहने को कहा था। आरोप है कि जब वह अपने बच्चों के साथ वापस लौटीं तो उन्हें मकान में दोबारा प्रवेश कर कब्जा लेने नहीं दिया गया। पुलिस और अधिकारियों के

चक्कर लगाने के बाद डीएम से लगाई गुहार: पीड़िता के मुताबिक, मकान पर अपना हक पाने के लिए उन्होंने कई बार पुलिस चौकी, थाने और संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। लंबे समय तक परेशान रहने के बाद उन्हें जिलाधिकारी के समक्ष

पति की मौत के बाद चार बच्चों के साथ हक के लिए भटक रही थी महिला, डीएम के निर्देश पर जांच के बाद प्रशासन ने दिलाया कब्जा

अपनी शिकायत रखने की जानकारी मिली। इसके बाद अंजली सितंबर 2026 में जिलाधिकारी के पास पहुंचीं। जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच की, पीड़िता से पूछताछ की तथा उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद अंजली को उनके मकान पर कब्जा दिलाया गया।

कार्रवाई से मिली राहत, डीएम का जवाबा आभार: अंजली ने कहा कि लंबे समय से वह अपने अधिकार के लिए परेशान थीं। प्रशासन के हस्तक्षेप से उनकी समस्या का समाधान होने पर उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि इसी तरह जरूरतमंदों और कमजोर वर्गों को

शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान किया जाता रहेगा। पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी धन्यवाद दिया। उनका कहना था कि संवेदनशील अधिकारियों की पहल से जरूरतमंद लोगों को राहत और न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत होती है।

अंजली को मकान पर कब्जा दिलाने के दौरान उप जिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह, एसीपी साहिबाबाद, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्रवाई से अंजली को राहत मिली है। वहीं, यह मामला उन जरूरतमंद लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो लंबे समय तक अपनी शिकायतों के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाते रहते हैं।

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। रेलवे स्टेशन गाजियाबाद पर यात्रियों के मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सैमसंग और वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 15 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी और चोरी का सामान रखने से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। जीआरपी के अनुसार, रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 10 अक्टूबर 2026 को यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक रेलवे आशुतोष शुक्ला के निर्देश और रेलवे पुलिस अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी मनोज चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम रेलवे स्टेशन गाजियाबाद पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 5 और 6 के मध्य पैदल पुल के पास से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवम पुत्र

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू की है

दिलीप, निवासी ग्राम ककरा, थाना जहांगीरगंज, जिला अंबेडकर नगर, उम्र करीब 24 वर्ष तथा शंकर पुत्र दिलबहादुर, निवासी रेलवे कॉलोनी, मढ़ावली, दिल्ली, उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, शिवम के कब्जे से सैमसंग कंपनी का नीले रंग का मोबाइल फोन और शंकर के कब्जे से वीवो कंपनी का नीले रंग का मोबाइल फोन बरामद किया गया। दोनों मोबाइल फोन चोरी के अलग-अलग मामलों से संबंधित बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी शिवम के खिलाफ जीआरपी गाजियाबाद, जीआरपी चारबाग लखनऊ और जीआरपी मथुरा जंक्शन सहित अन्य थानों में चोरी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास में

वर्ष 2018, 2022, 2025 और 2026 के मामले शामिल हैं। वहीं, आरोपी शंकर के खिलाफ जीआरपी गाजियाबाद में मोबाइल चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज बताया गया है। पुलिस अन्य थानों से भी दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। जीआरपी के मुताबिक, आरोपी रेलवे स्टेशन गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर के आसपास के रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों में चढ़कर यात्रियों को निशाना बनाते थे। मौका मिलने पर वे मोबाइल फोन, लैपटॉप, पर्स, बैग, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लेते थे। इसके बाद चोरी किए गए सामान को बेचकर धन अर्जित करते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज चौधरी, उपनिरीक्षक नीशू कदियान तथा कांस्टेबल पुष्पेंद्र कुमार, मोनू कुमार, योगेश कुमार, रोहित कुमार सहित सीआईबी दिल्ली वेस्ट, सीआईबी दिल्ली ईस्ट और आरपीएफ दिल्ली मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।



डॉ. मधु गुप्ता के नेतृत्व में सीबीगंज नगरीय स्वास्थ्य केंद्र ने रचा इतिहास

आयुष्मान संवाद 2026 में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया सम्मानित, प्रदेश में सम्मान पाने वाला एकमात्र नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना

■ स्मार्ट विज़न समाचार

बरेली (चरन सिंह)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत आभा (अहलअ) पंजीकरण और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेखों को जोड़ने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर बरेली के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सीबीगंज को सम्मानित किया गया है। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मास ऑडिटोरियम में 7 अक्टूबर 2026 को आयोजित आयुष्मान संवाद 2026 कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने केन्द्र को यह सम्मान प्रदान किया। दावा किया गया है कि इस श्रेणी में सम्मान प्राप्त करने वाला यह प्रदेश का एकमात्र नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है।

इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गुप्ता के नेतृत्व और स्वास्थ्य केंद्र की पूरी टीम के समर्पित प्रयासों को दिया जा रहा है। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं



को आमजन तक पहुँचाने, आभा पंजीकरण को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य अभिलेखों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने के लिए केंद्र की टीम ने लगातार काम किया।

निजी क्षेत्र से सरकारी स्वास्थ्य सेवा में आने के बाद डॉ. मधु गुप्ता के सामने सरकारी कार्यप्रणाली और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की नई व्यवस्थाओं को समझने की चुनौती थी। उन्होंने अपनी लगन और सीखने की इच्छाशक्ति से इन चुनौतियों का सामना किया। साथ ही कर्मचारियों को

प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के प्रयास किए।

डॉ. गुप्ता ने इस सफलता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन, नोडल अधिकारी के सहयोग और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। फार्मासिस्ट हिरदेश, स्टाफ नर्स सरिता एवं मम्मोहन, प्रयोगशाला तकनीशियन श्रवण, एनएमएस सरस्वती, रामलली, रजनी एवं मनु सहित आभा पंजीकरण में जुटे शाहिद, सूरज, मोनू और आशा



कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र की अन्य टीम के सदस्यों ने भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए इस उपलब्धि को साकार करने में भूमिका निभाई। डॉ. मधु गुप्ता ने यह सम्मान अपने माता-पिता आर.के. गुप्ता एवं मंजू गुप्ता और बहन रमा को समर्पित करते हुए परिवार, वरिष्ठ अधिकारियों और अपनी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और जनसेवा की भावना का परिणाम है।

उन्होंने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, अधिक नागरिकों को आभा पंजीकरण से जोड़ने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई। सीबीगंज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की यह उपलब्धि बरेली के लिए गौरव का विषय है। यह सफलता दशार्थी है कि बेहतर नेतृत्व, टीमवर्क और जनसेवा के प्रति समर्पण से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।

हाफिजगंज में सट्टे की खाईबाड़ी करते एक व्यक्ति गिरफ्तार, 550 रुपये बरामद

■ स्मार्ट विज़न समाचार

बरेली (सूरज मोर्य)। हाफिजगंज थाना पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो सट्टा पर्चियाँ, 550 रुपये, एक गत्ता और नीली पेंसिल बरामद की है। आरोपी के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक, 9 अक्टूबर 2026 को उपनिरीक्षक राजीव कुमार शर्मा हमराही पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान

आरोपी ने अपना नाम महेश पाल पुत्र जगदीश निवासी ग्राम चेना मुरारपुर, थाना हाफिजगंज बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो सट्टा पर्चियाँ और कुल 550 रुपये बरामद हुए।

पर पुलिस टीम मौके पर पहुँची तो वहाँ मौजूद लोग भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम महेश पाल पुत्र जगदीश निवासी ग्राम चेना मुरारपुर, थाना हाफिजगंज बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो सट्टा पर्चियाँ और कुल 550 रुपये बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, आरोपी सट्टे की खाईबाड़ी करने का लाइसेंस नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर बरामद सामान को सील कर दिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

■ स्मार्ट विज़न समाचार

बरेली (सुनील गुप्ता)। जिले में दो अलग-अलग मामलों में युवतियों के लापता होने की शिकायत सामने आई है। पहले मामले में बरेली जंक्शन पर माँ के साथ पड़ुची 17 वर्षीय किशोरी अचानक लापता हो गई, जबकि दूसरे मामले में बिहारीपुर निवासी महिला ने अपनी भतीजी के लापता होने की शिकायत की है। दोनों मामलों में परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से शिकायत कर युवतियों की सकुशल बरामदगी और कानूनी कार्रवाई की माँग की है।

पहले मामले में बहेड़ी थाना क्षेत्र के खतौला गांव निवासी महिला ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह सात अक्टूबर 2026 की रात करीब 2:30 बजे अपनी 17 वर्षीय बेटी के साथ ट्रेन से बरेली जंक्शन पर उतरी थी। इसी दौरान वह बाथरूम चली गई। वापस लौटने पर बेटी गायब मिली। महिला ने जंक्शन और आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। महिला का आरोप है कि उसका क्षेत्र के निवासी ने बेटी को लुप्त कराया है। दूसरे मामले में कोतवाली थाना क्षेत्र के बिहारीपुर निवासी एक महिला ने अपनी भतीजी के लापता

होने की शिकायत की है। महिला के अनुसार, उसकी भतीजी पिछले करीब 12 वर्षों से उसके साथ रह रही थी। वह उसकी देखभाल करने के साथ ही उसकी पढ़ाई-लिखाई का खर्च भी उठाती थी। शिकायत के मुताबिक, छठ अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 8:30 बजे युवती अचानक लापता हो गई। महिला ने आरोप लगाया है कि सुभाषनगर थाना क्षेत्र की नेकपुर वाल्मीकि बस्ती की रहने वाली एक महिला और उसका बेटा उसकी भतीजी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित

महिला उसके पड़ोस में चौका-बर्तन का काम करने आती थी। युवती की रिश्तेदारी और अन्य संबंधित स्थानों पर तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने बताया कि भतीजी के पिता की मृत्यु के बाद उसने रेलवे में मृतक आश्रित के तहत नौकरी लगवाने में भी मदद की थी।

दोनों शिकायतकर्ताओं ने एसएसपी से मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने और लापता युवतियों को जल्द सकुशल बरामद कराने की गुहार लगाई है।

थाना समाधान दिवस में पांच शिकायतें आईं, एक का मौके पर निस्तारण



■ तकरीर अहमद स्मार्ट विज़न समाचार

शाहबाद। शनिवार को थाना शाहबाद में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सीओ देवकीनंदन ने की। समाधान दिवस में फरियादियों की कुल पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

वहीं, शेष चार शिकायतों को निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कोतवाली प्रभारी धनंजय सिंह, अपराध निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक रोहित कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

शाहबाद में रामलीला का हुआ शुभारंभ तहसीलदार और सीओ ने किया उद्घाटन



■ तकरीर अहमद स्मार्ट विज़न समाचार

शाहबाद। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार देर शाम शाहबाद नगर में रामलीला मंचन का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तहसीलदार अमित कुमार सिंह और सीओ देवकीनंदन ने संयुक्त रूप

से दीप प्रज्वलित कर तथा फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीराम हम सभी के आराध्य हैं। रामलीला के मंचन के माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन,

उनके त्याग, आदर्शों और मर्यादा के बारे में जानने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। रामलीला के शुभारंभ के साथ ही नगर में धार्मिक माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष केशव गुप्ता ने

किया। इस अवसर पर हल्का इंचार्ज रोहित कुमार, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, महामंत्री सुरेश बाबू गुप्ता, महाप्रबंधक देवेंद्र अग्रवाल, व्यापार मंडल के नगराध्यक्ष सुकेश चंद गुप्ता, जीके पाठक, वेद प्रकाश चंद्रवंशी, मयंक अग्रवाल, मनीष शर्मा, अमित चंद्रवंशी, माधुरी सक्सेना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिहारीगढ़ में प्लाईओवर के नीचे से बाइक चोरी

पत्रकार डिम्पल धीमान के कारीगर की हीरो एच एफ डिलेक्स बाइक चोरी

■ पुरुषोत्तम शर्मा स्मार्ट विज़न समाचार

बिहारीगढ़। कस्बे में बाइक चोरी की घटनाएं धमने का नाम नहीं ले रही हैं। दो सप्ताह पहले रमजानी हार्डवेयर के सामने खड़ी हुई बाइक चोरी हो गई थी जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया था, उससे पहले सद्दाम अली और सब्जी विक्रेता पप्पू प्रजापति की बाइक चोरी हुई थी जिनका अभी तक सुराग नहीं लगा। उसके बाद आज शनिवार को देर शाम फिर गुरुद्वारे के सामने प्लाईओवर के नीचे खड़ी पप्पू कारीगर की हीरो एचएफ डिलेक्स बाइक चोरी हो गई। जिसकी सूचना बिहारीगढ़ थाना पुलिस को दें दी गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक पत्रकार डिंपल धीमान की दुकान पर पकड़ी बनाने वाला कारीगर पप्पू सिंह



रोजाना की तरह प्लाईओवर के नीचे अपनी बाइक खड़ी करके बेफिक्र था, लेकिन आज शनिवार को देर शाम घर जाने से पहले अपनी बाइक को प्लाईओवर के नीचे से गायब देखकर उसके होश उड़ गए। तुरंत थाना पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए चोरी हुई बाइक बरामद करने की मांग की। पप्पू कारीगर ने बताया कि उसकी चोरी हुई एचएफ डिलेक्स बाइक का नंबर यूके 08 बी 2054 है। पीड़ित पप्पू कारीगर ने बताया कि वह बहुत ही गरीब है,

चाय पकौड़ी की दुकान पर पिछले करीब 15 सालों से मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार को पाल पोस रहा था। 15 किलोमीटर दूर वनग्राम हरीपुर टोंगिया (उत्तराखंड) से बिहारीगढ़ आकर काम-काज करता था, बाइक के बिना अब रोजाना टाइम से बिहारीगढ़ से अपने घर आना जाना मुश्किल हो जाएगा।

बाइक चोरी की इस घटना से कस्बे के व्यापारियों में भी सुरक्षा के प्रति चिंता दिखाई दे रही है।



माटी हमारे संस्कारों, विचारों की संवाहक: ब्रजेश पाठक

नौवें पूर्वांचल माटी महोत्सव एवं सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री ने रखे विचार,अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का किया आह्वान

■ स्मार्ट विज़न समाचार

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी परिसर में आयोजित नौवें पूर्वांचल माटी महोत्सव एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि माटी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, विचारधारा और पहचान की संवाहक है। यह हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमें देश-दुनिया में कहीं भी रहे, अपनी माटी को सदैव याद रखना चाहिए और अपने कार्यों एवं उपलब्धियों के माध्यम से उसका गौरव बढ़ाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन की आपाधापी में कई बार हम इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपनी जन्मभूमि, गांव, शहर और उस माटी को याद करने का समय नहीं निकाल पाते, जिसने हमें संस्कार दिए और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। हमारी पहचान हमारी जड़ों से है। हम देश और दुनिया के किसी भी कोने में कार्य करें, लेकिन अपनी माटी का प्रतिनिधित्व



करना कभी नहीं भूलना चाहिए। हमारी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उस मिट्टी के संस्कारों और सामर्थ्य का भी परिचायक है, जहां हमारा जन्म हुआ है।

उत्तर प्रदेश की माटी ने दिए अनेक महापुरुष रूप उस मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की माटी ने देश को अनेक महापुरुष, संत, विचारक, साहित्यकार, कलाकार और प्रतिभाशाली व्यक्तित्व दिए हैं। प्रदेश के लोगों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम

और कर्तव्यनिष्ठा से देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आज उत्तर प्रदेश का युवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहा है। शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, उद्योग, व्यापार, कला, संस्कृति और प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश के लोग अपनी उपलब्धियों से प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। हमें अपनी जन्मभूमि और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व होना चाहिए।

माटी ने दिया परिश्रम और सेवा



का संदेश : उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की माटी में हमारी समृद्ध सभ्यता, लोकपरंपराओं, आध्यात्मिक चेतना और गौरवशाली इतिहास की सुगंध समाहित है। काशी की ज्ञान परंपरा, महापुरुषों की विचारधारा, लोकगीतों की मिठास और लोककलाओं की जीवंतता पूर्वांचल की विशिष्ट पहचान हैं। यहां की संस्कृति ने सदैव समाज को एकता, समरसता, परिश्रम और सेवा का संदेश दिया है।

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित

करने का काम करता है माटी महोत्सव उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यपूर्वांचल माटी महोत्सव वह जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने, प्रतिभाओं को सम्मानित करने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजन उन लोगों के योगदान को पहचान दिलाते हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, संघर्ष और समर्पण से समाज तथा प्रदेश का नाम रोशन किया है। अपनी माटी के प्रति

सम्मान का भाव हमारी भावी पीढ़ियों में भी विकसित होना चाहिए, ताकि वे आधुनिकता के साथ अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को भी आत्मसात कर सकें।

उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जन्मभूमि, अपने गांव और अपने शहर की पहचान को अपने साथ लेकर चले। हमारी उपलब्धियां हमारी माटी की प्रतिष्ठा बढ़ाएं और हमारा आचरण हमारे संस्कारों का परिचय दे। अपनी जड़ों

से जुड़कर ही हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। कार्यक्रम में कविजन प्रशांत पांडे, राजकुमार सिंह, अशोक टाकरी, आलोक अनिल, पंकज प्रसून, सतेन्द्र कुमार कुंतल, हसन काजमी, बृजनाथ यादव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, पूर्वांचल माटी महोत्सव के संयोजक

आसिफ आजमी, ज्ञान प्रकाश सिंह, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, बनारस रॉयल फैमिली के प्रदीप नारायण सिंह, वरिष्ठ पत्रकार प्रतीक त्रिवेदी, प्रदीप सिंह बब्बू, आनंद स्वरूप अग्रवाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जीएसटी सुधारों का सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने किया स्वागत



■ स्मार्ट विज़न समाचार

रामपुर मनिहारन (सुशील शर्मा)। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने जीएसटी काउंसिल की बैठक में व्यापारियों को राहत देने तथा जीएसटी व्यवस्था को सरल बनाने के लिए की गई सिफारिशों का जोरदार स्वागत किया है। संगठन ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्र सरकार एवं जीएसटी काउंसिल का आभार जताया है। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जयवीर राणा ने इस संबंध में जारी बयान में कहा कि जीएसटी व्यवस्था में सुधार व्यापारियों

वभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय हो, पोर्टल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए, व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस और उत्पीड़न से बचाया जाए एवं सभी नियम और दिशा निर्देश सरल हिन्दी में भी उपलब्ध कराए जाए।

को लम्बे समय से आ रही समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में पंजीकरण, रिफंड, नोटिस, जुमानें, इनपुट टैक्स क्रेडिट और ई कॉमर्स से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सामने आए हैं। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जयवीर राणा ने जारी बयान में बताया कि व्यापारी देश की

अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है। जीएसटी प्रक्रिया जितनी सरल, पारदर्शी और व्यवहारिक होगी, व्यापार करना उतना सुगम होगा। केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल द्वारा व्यापारियों की समस्याओं पर विचार किए जाने के लिए उनका संगठन आभार व्यक्त करता है। उन्होंने मांग की है कि इन सिफारिशों को

आवश्यक अधिसूचनाओं एवं कानूनी प्रक्रिया के बाद प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय हो, पोर्टल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए, व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस और उत्पीड़न से बचाया जाए एवं सभी नियम और दिशा निर्देश सरल हिन्दी में भी उपलब्ध कराए जाए। जयवीर राणा ने जारी बयान में कहा कि व्यापार मंडल का स्पष्ट मत है कि सुधारों की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके जमीनी क्रियान्वयन और नियमित मानिटरिंग से सुनिश्चित होगी।

नानौता में निकली 100वीं भव्य श्रीराम बारात, जयकारों से गुंजा नगर

■ स्मार्ट विज़न समाचार

रामपुर मनिहारन (सुशील शर्मा)। कस्बा नानोता में 100वीं श्रीरामलीला के पावन अवसर पर शाही अंदाज में श्रीराम बारात निकाली गई, जिसका शुभारंभ रक्षा नामदेव व विवेक नामदेव ने संयुक्त रूप से किया।



नगर में 100वीं श्री रामलीला के पावन अवसर पर श्रीराम बारात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रक्षा नामदेव एवं भाजपा नेता विवेक नामदेव ने संयुक्त रूप से इसका शुभारंभ किया। नगर

के प्रमुख मार्गों से गुजरी इस बारात में श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया और जगह-जगह भगवान श्रीराम के स्वरूप का भव्य स्वागत किया गया। सुष्का व्यवस्था को लेकर

थानाध्यक्ष विकास चारण के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। ऐतिहासिक और आकर्षक आयोजन में योगेश गुप्ता, अरविंद गर्ग, पुष्पेंद्र भटनागर, रमेश गुप्ता,

एमडीडीए ने की अवैध व्यावसायिक निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने मसूरी के लाइब्रेरी रोड क्षेत्र में अवैध व्यावसायिक निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक होटल के अवैध बेसमेंट और 12 कमरों को सील कर दिया। बिना स्वीकृति या स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। मसूरी जैसे संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र में अनियोजित निर्माण से यातायात, पार्किंग, जल निकासी और पर्यावरण प्रभावित हो सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर प्राधिकरण की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



शाकम्भरी देवी मेले को लेकर पुलिस की ब्रीफिंग

■ स्मार्ट विज़न समाचार

बेहट। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से प्रारंभ हो रही श्री शाकम्भरी देवी मेले के मेहनेसर डीएम एवं एसएसपी की उपस्थिति में मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की ब्रीफिंग की गई। इस दौरान उच्चधिकारियों ने पुलिस बल को विशेष दिशा निर्देश भी दिए। बता दें कि रविवार (आज) से शिवालिक पहाड़ियों के बीच स्थित सिद्धपीठ शाकम्भरी देवी मंदिर पर शारदीय नवरात्र मेला प्रारंभ हो रहा है। सुष्का एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शनिवार को को जिलाधिकारी, सहारनपुर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा अन्य उच्चाधिकारीगण की उपस्थिति में माँ शाकम्भरी देवी मंदिर पर आयोजित होने वाले नवरात्रि मेले को सफुल्ल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु ड्यूटी में तैनात



पुलिस बल की ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, संवेदनशील स्थलों पर सतर्क निगरानी तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय, सतर्कता एवं पूर्ण मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश

दिए गए, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इस मौके पर इस दौरान एसडीएम सुबोध कुमार सीओ शशि प्रकाश शर्मा तहसीलदार विजय कुमार नायब तहसीलदार देवेन्द्र प्रजापति, एएम ओ चंद्रवीर सिंह, इंजीनियर मुकेश कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण कर्मचारीगण मौजूद रहे।

60 से अधिक अज्ञात शवों की अस्थियां गंगा में विसर्जित राष्ट्र चेतना मिशन ने विधि-विधान से कराया अस्थि विसर्जन, आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना

■ स्मार्ट विज़न समाचार
अभिषेक वर्मा

अनूपशहर। पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर जब लोग अपने पितरों का तर्पण कर रहे थे, उसी समय राष्ट्र चेतना मिशन के कार्यकर्ताओं ने जिलेभर में मिले अज्ञात एवं लावारिस शवों की अस्थियों का विधि-विधान से विसर्जन कर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। शनिवार को शवों के कार्यकर्ता 60 से अधिक अज्ञात शवों के अस्थि अवशेष लेकर अनूपशहर स्थित बाबा मस्तराम घाट पहुंचे। यहाँ पूजा-अर्चना के बाद अस्थियों को गंगा में सामूहिक रूप से विसर्जित किया गया और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमंत सिंह ने बताया कि संस्था पिछले करीब 10 वर्षों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अज्ञात एवं



लावारिस शवों का अंतिम संस्कार पूरे विधि-विधान से करती आ रही है। ऐसे शवों की पहचान नहीं हो पाने के कारण उनके परिजनों का पता नहीं चल पाता। संस्था के कार्यकर्ता उन्हें सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई देने का जिम्मा उठाते हैं।

तीन महीने में मिले 60 से अधिक अज्ञात शव : अंतिम संस्कार

सेवा के प्रमुख अनिल गर्ग के नेतृत्व में पिछले तीन माह में किए गए अंतिम संस्कारों के बाद सुरक्षित रखे गए 60 से अधिक अज्ञात शवों के अस्थि अवशेषों को शनिवार को अनूपशहर के बाबा मस्तराम घाट पर ले जाया गया। यहाँ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सभी अस्थियों का गंगा में विसर्जन किया गया। संस्था के सचिव

मयूर अग्रवाल ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्र चेतना मिशन द्वारा करीब 3500 से अधिक अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। अंतिम संस्कार के बाद अस्थि अवशेषों को सुरक्षित रखा जाता है और हर दो-तीन माह में अनूपशहर में गंगा जी में सामूहिक अस्थि विसर्जन किया जाता है।

सड़क किनारे पड़े शवों को देते हैं सम्मानजनक विदाई

अध्यक्ष हेमंत सिंह ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अज्ञात शव कई बार बेहद क्षत-विक्षत अवस्था में होते हैं। सड़क किनारे पड़े शवों से दुर्गंध और संक्रमण का खतरा भी बना रहता है। ऐसी परिस्थितियों में संस्था के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर शवों को सम्मानपूर्वक उठाते हैं और विधि-विधान से उनका अंतिम संस्कार करते हैं। पुरोहित सीरध गौड़ ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस दौरान राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमंत सिंह, सचिव मयूर अग्रवाल, जिला संयोजक न्यू गुमा, अनिल गर्ग, शरद शर्मा, डॉ. सीहार्द दुबे, देव शर्मा, अरुण राजपूत, शिवम चौधरी, गुणवंत सैनी, सतपाल भगत आदि मौजूद रहे।

थाना नागल पुलिस के हत्ते चढ़ा एक मोटरसाइकिल चोर

■ स्मार्ट विज़न समाचार

नागल सहारनपुर. (वीरेंद्र कुमार)। बुधवार को थाना क्षेत्र के गाँव रसूलपुर खेड़ी से चोरी हुई बाइक का थाना नांगल पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को रसूलपुर खेड़ी निवासी बिजेंद्र ने थाना नागल में



तहरीर देकर अपनी बाइक की चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था जिसकी बरामदगी हेतु थाना पुलिस लगातार प्रयास

कर रही थी शनिवार को थाना पुलिस ने पांडोली की ओर जाने वाले रेलवे ओवर ब्रिज के पास से एक सदिध बाइक सवार

को गिरफ्तार किया, पूछताछ करने पर बताया कि वह नशे का आदि है और बाइक चुरा उसको बेचकर अपना शौक पूरा करता था। अभियुक्त की पहचान विक्की पुत्र रामकुमार निवासी रसूलपुर खेड़ी थाना नागल से सहारनपुर के रूप में हुई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम यादव, एसआई नितिन कुमार, रणजीत सिंह व अंकित कुमार आदि साथ रहे।

भगवत प्रसाद मकवाना ने उतराखंड में ‘रोबोटिक मेनहोल स्केवेंजर’ देने के निर्देश

देहरादून। सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष (केंद्रीय राज्यमंत्री) भगवत प्रसाद मकवाना ने ओएनजीसी मुख्यालय तेल भवन देहरादून में आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारियों के अधिकारों एवं समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। विभागीय अधिकारियों ने श्री मकवाना का बुके एवं शॉल से स्वागत किया। श्री मकवाना ने ओएनजीसी

सीसीआर फंड से उतराखंड में भी रोबोटिक मेनहोल स्केवेंजर देने के निर्देश दिए साथ ही ओएनजीसी एवं उतराखंड निकायों में कार्यरत आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारियों को शीतकाल के लिये ट्रैक सूट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों एवं आउटसोर्स एजेंसी को स्वच्छता कर्मचारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

ओएनजीसी की ओर से आउटसोर्स कर्मचारियों को दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधाओं एवं अधिकारों के प्रति खुशी जाहिर की साथ ही आउटसोर्स एजेंसी द्वारा दी जाने वाली वर्दी की गुणवत्ता पर नाराजगी जाहिर की और सुधार करने के निर्देश दिए। श्री मकवाना ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली न्यूनतम धनराशि 10 लाख

रुपये करने के निर्देश दिए जिससे कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। विकास कार्य की दिशा में ओएनजीसी सीसीआर फंड से पटेलनगर में महर्षि वाल्मीकि सामुदायिक भवन निर्माण, घंटाघर के निकट डॉ. भीमराव अंबेडकर परिसर के सौंदर्यकरण एवं देहरादून में बनने जा रहे महर्षि वाल्मीकि चौक निर्माण में अपेक्षित सहयोग के भी निर्देश दिए।

करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर

शारदीय नवरात्र विशेष

■ स्मार्ट विज़न समाचार

बेहट(भवानी सैनी)। जनपद मुख्यालय से लगभग 45 किमी दूर शिवालिक पहाड़ियों में सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि यहां शीश नवाने वाले भक्त सर्वसुख संपन्न हो जाते हैं। सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी का उल्लेख मार्कण्डेय पुराण, दुर्गा सप्तसती, पदम पुराण, कनक धारा स्त्रोत आदि में मिलता है। मंदिर गर्भ गृह में मां शाकंभरी के साथ भीमा देवी, भ्रावरी व शताक्षी देवी सहित गणेश जी की प्रतिमा भी मौजूद है। इस पावन तीर्थ के निकट गौतम ऋषि की गुफा, प्रेतशिला पंच महादेव के रूप में बड़केश्वर महादेव, मटकेश्वर महादेव, शाकेश्वर महादेव, कमलेश्वर महादेव, मटकेश्वर महादेव

के भव्य मंदिरों के अलावा भूरादेव मंदिर, छिन्मिस्ता देवी मंदिर, रक्त दंतिका मंदिर आदि पवित्र स्थल स्थित है। यहां भी श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचकर प्रसाद चढ़ाकर मनोकामनाएं मांगते हैं। इसके अलावा सिद्धपीठ परिक्षेत्र से लगभग 5 किमी दूर पहाड़ियों पर संहसा ठाकुर का मंदिर भी स्थापित है। यह मंदिर प्राचीन काल में एक ही पत्थर तराश कर बनाया गया है। मुख्य मंदिर के निकट वीर खेत के नाम से प्रसिद्ध एक मैदान है। इसके बारे में मान्यता है कि यहां माता एवं देवीों के बीच घोर युद्ध हुआ था। बताया जाता है कि इसी मैदान पर माता ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसी मैदान पर राणा परिवार जसमौर के पुरूखों की समाधियां भी बनी हुई हैं।

शाक से देवताओं की भूख मिटाकर कहालायी मां शाकंभरी : मां भगवती का नाम शाकंभरी देवी प्रचलित होने के बारे में मान्यता है कि प्राचीन



काल में दुर्गम नामक दैत्य ने ब्रहमा जी की घोर तपस्या कर वरदान में चारों वेद मांग लिये। दैत्यों के हाथ चारों वेद लगने से सभी वैदिक क्रियाएं लुप्त हो गईं।

परिणाम स्वरूप 100 वर्षों तक वर्षा नहीं हुई। जिसके कारण तीनों लोकों में अकाल पड़ गया। त्राहि-त्राहि मचने पर देवताओं ने शिवालिक पर्वत श्रंखला की



प्रथम शिखा पर मां जगदंबा की घोर तपस्या की। देवताओं की करुण पुकार सुनकर करुणामयी मां भगवती से रहा नहीं गया और वह देवताओं के समक्ष

प्रकट हो गई। व्याकुल देवताओं ने उनसे तीनों लोकों का अकाल मिटाने की प्रार्थना की। इस पर मां जगदंबा ने अपने शत नेत्रों से नौ दिन एवं नौ रात तक अश्रुवृष्टि की।

सराल है मां शाकंभरी का प्रमुख प्रसाद

सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर पर हलवा पूरी, इलायची-दाना, मेवे और मिष्ठान का का प्रसाद चढ़ाया जाता है। हालांकि मान्यता है कि वेदों में सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी का प्रमुख प्रसाद सराल बताया गया है। जो शिवालिक पहाड़ियों पर ही अक्सर पाया जाता है। मान्यता है कि देवताओं की भूख मिटाने के मां शाकंभरी देवी शाक-सराल आदि सब्जी फल उत्पन्न किये थे। जिसमें सराल का प्रसाद प्रमुख माना जाता है। वर्तमान में मां भगवती के काफ़ी भक्त सराल का प्रसाद चढ़ाते हैं। मेला परिक्षेत्र में कुछ ग्रामीण सराल बेचते भी दिखायी देते हैं।

सराल है मां शाकंभरी का प्रमुख प्रसाद

सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर पर हलवा पूरी, इलायची-दाना, मेवे और मिष्ठान का का प्रसाद चढ़ाया जाता है। हालांकि मान्यता है कि वेदों में सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी का प्रमुख प्रसाद सराल बताया गया है। जो शिवालिक पहाड़ियों पर ही अक्सर पाया जाता है। मान्यता है कि देवताओं की भूख मिटाने के मां शाकंभरी देवी शाक-सराल आदि सब्जी फल उत्पन्न किये थे। जिसमें सराल का प्रसाद प्रमुख माना जाता है। वर्तमान में मां भगवती के काफ़ी भक्त सराल का प्रसाद चढ़ाते हैं। मेला परिक्षेत्र में कुछ ग्रामीण सराल बेचते भी दिखायी देते हैं।

देवताओं की भूख मिटाने के लिए अपनी शक्ति से पहाड़ियों पर शाक, फल उत्पन्न किये। जिसके बाद माता शाकंभरी कहालायी।

शारदीय नवरात्र मेला आज से, उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भारी भीड़



■ स्मार्ट विज़न समाचार

बेहट(भवानी सैनी)रविवार (आज) से शारदीय नवरात्र पर्व प्रारंभ हो रहे हैं। इस अवसर पर सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर परिक्षेत्र में भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। शारदीय नवरात्र पर्व पर लगने वाला यह मेला प्रथम नवरात्र से लेकर चतुर्दशी पर्व तक चलता है। जिसमें यूपी के अलावा दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तरांचल, हिमाचल आदि प्रदेशों के श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचकर मां

शाकंभरी देवी को प्रसाद चढ़ाकर मन्तवें मांगते हैं। इस दौरान समूची शिवालिक घाटी श्रद्धालुओं द्वारा लगाये गये माता के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठती है। श्रद्धालु भारी संख्या में प्रतिदिन माता के दरबार में शीश नवांकर मनोकामनाएं मांगते हैं। मंदिर व्यवस्थापक राणा आदित्य प्रताप सिंह द्वारा मंदिर को भव्य रूप से फूल मालाओं द्वारा सजवाया गया है। जो अपने आप में अलौकिक छटा बिखेर रहा है। मंदिर में किसी भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो इसका पूरे पुख्ता इंतजाम किए गए

हैं। मंदिर व्यवस्थापक राणा आदित्य प्रताप सिंह ने सिद्धपीठ पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं से श्रद्धा पूर्वक एवं शांति बनाए रखते हुए मां भगवती के दर्शन कर धर्म लाभ उठाने की अपील की है। प्रशासन द्वारा मंदिर एवं मेला परिक्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेरीकेटिंग, अस्थाई पुल, लाइटें, अस्थाई शौचालय, मार्ग का समतलीकरण, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था सीसी कैमरे आदि व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मेला परिक्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है

मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

साथियों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर योगदान को किया याद



■ स्मार्ट विज़न समाचार

झाँसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रेष्ठ धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सोनू यादव सहित उपस्थित साथियों ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नेताजी के संघर्षपूर्ण जीवन,

समाजवादी विचारधारा तथा गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के हितों के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नेताजी ने अपने राजनीतिक जीवन में सामाजिक न्याय, समानता और जनसेवा को विशेष महत्व दिया। उनके विचार और सिद्धांत आज भी समाज के विभिन्न वर्गों को अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा जनहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर सभी ने नेताजी के बताए समाजवादी सिद्धांतों पर चलने

तथा सामाजिक समानता, भाईचारे, जनसेवा और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदीप यादव सेना, कपिल यादव सेना, अजमेर यादव, जौरा, अनुज यादव, राघवेंद्र दोहरे, रजत पटेल, रोहित यादव सेना, रामजी तिवारी (मोट), बाबू यादव, सोनू साहू, प्रिंस यादव, सुमित यादव, कालू पांचाल, अभय झा, राज कुशवाहा, शैलेंद्र यादव टोड़ी एवं राजा पांचाल सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

भव्यता के साथ निकाली गई भगवान श्री राम की बारात

■ स्मार्ट विज़न समाचार

फलावदा। नगर स्थित श्री बूढ़ा शिव मंदिर रामलीला कमेटी के तत्वावधान में शनिवार को भगवान श्री राम की भव्य बारात अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। इस अलौकिक और धार्मिक आयोजन में भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े राम बारात का औपचारिक उद्घाटन रामलीला मैदान में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संगीत सोम के भाई सागर सोम तथा चेयरमैन अशोक कुमार सैनी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथियों ने भगवान श्री राम और लक्ष्मण के स्वरूप बने कलाकारों का तिलक कर पूजा-अर्चना की और फीता काटकर शोभायात्रा को रवाना किया।



श्री बूढ़ा शिव मंदिर से प्रारंभ हुई यह भव्य राम बारात नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई देर रात पुन रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। बारात के मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह आरती उतारी और पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। बैंड-बाजे और डीजे पर बज रहे भक्तिमय भजनों के बीच श्रद्धालु झूमते और 'जय श्री राम' के उद्घोष लगाते नजर आए। शोभायात्रा में श्री गणेश, श्री राम-लक्ष्मण, भरत-शत्रुघ्न, महर्षि विश्वामित्र, राजा दशरथ, भगवान शिव-पार्वती, भारत

माता, महर्षि वाल्मीकि तथा अघोरी, वज्रंगी अखाड़ा के पहलवानों ने एक से एक कर्तब दिखाए और आकर्षक झांकियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान विशाल

सैनी, उप-प्रधान मनीष सिंह, पूर्व प्रधान राजेश सैनी, विवेक कुमार सैनी, मोनू देवा पाल, अनुज सैनी, ज्ञानेंद्र धीमान, विराट सिंह, सोहनवीर सभासद, मुकेश सैनी, सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शक्ति, साधना और भक्ति का पर्व शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से



■ स्मार्ट विज़न समाचार

प्रयागराज। शक्ति, भक्ति और साधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू होगा। नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिरों से लेकर घरों तक देवी आराधना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रद्धालु घटस्थापना के साथ मां दुर्गा का आह्वान कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। ज्योतिष कावेरी मुकरजी ने बताया कि शारदीय नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, साधना और सकारात्मक ऊर्जा के संचार का विशेष अवसर भी है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु व्रत, मंत्र-जप, ध्यान और पूजा-पाठ के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति का

■ नवदुर्गा की आराधना से मिलेगा आत्मशुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश, ज्योतिष कावेरी मुकरजी ने बताया पर्व का आध्यात्मिक महत्व

प्रयास करते हैं। मां दुर्गा की आराधना व्यक्ति को साहस, धैर्य और बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देती है। नौ दिनों में होती है नवदुर्गा की आराधना : नवरात्रि के नौ दिनों में मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। प्रत्येक स्वरूप का अपना विशिष्ट धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन की परंपरा

निभाई जाती है। इसमें कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है और भोजन करारकर आशीर्वाद लिया जाता है।

घटस्थापना के साथ शुरू होगी पूजा : नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना कर मां दुर्गा की पूजा का संकल्प लिया जाता है। ज्योतिष कावेरी मुकरजी के अनुसार, घटस्थापना के लिए स्थानीय पंचांग में बताए गए शुभ मुहूर्त का ध्यान रखना चाहिए। पूजा के दौरान स्वच्छता, श्रद्धा और सात्विकता का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि में सात्विक आहार, नियमित मंत्र-जप, ध्यान, संयम और जरूरतमंदों की सेवा को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। यह पर्व हमें बुराइयों का त्याग कर सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

■ स्मार्ट विज़न समाचार

प्रयागराज। समाज में जरूरतमंदों की मदद करने के लिए बड़े धन की नहीं, बल्कि नेक इरादों और सेवा भाव की जरूरत होती है। इस सोच को प्रयागराज के डांस कोरियोग्राफर सचिन निषाद अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से साकार कर रहे हैं। डांस सिखाकर आजीविका चलाते वाले सचिन अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा गरीब परिवारों की बेटियों के लिए खर्च करते हैं। सचिन निषाद का मानना है कि किसी जरूरतमंद बेटी के विवाह में सहयोग करना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उसके माता-पिता के सपनों, सम्मान और खुशियों को सहारा देना है। उनका कहना है कि गरीब बेटी



के विवाह में सहयोग करके उसके परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसान अपनी छोटी-सी कमाई से भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है, बशर्ते उसके मन में सेवा का भाव हो। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए कल्याणी लोक सेवा समिति की ओर

से जनवरी 2027 में 25 गरीब बेटियों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। समिति इससे पहले 49 जोड़ियों का विवाह संपन्न कराने में योगदान दे चुकी है। आगामी आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां और जनसंपर्क अभियान तेज कर दिए गए

हैं। समिति की संस्थापिका एवं अध्यक्ष रूपाली अवस्थी के नेतृत्व में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचकर उन्हें सामूहिक अभियान में सक्रिय भूमिका के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वहीं, समिति के कोषाध्यक्ष एवं डांस कोरियोग्राफर सचिन निषाद भी इस सामाजिक अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था की ओर से इच्छुक वर-वधू के अभिभावकों से अपील की गई है कि वे प्रस्तावित सामूहिक विवाह सम्मेलन के संबंध में संपर्क कर पंजीकरण की जानकारी प्राप्त करें। कल्याणी लोक सेवा समिति की यह पहल समाज को संदेश देती है कि जरूरतमंद परिवारों की खुशियों में सहभागी बनकर बेटियों के जीवन में नई शुरुआत का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

अखंड भारत महापर्व की दूसरे राउंड की प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

नई पीढ़ी तक पहुंचे स्वतंत्रता संग्राम के गौरव की गाथा यही है महापर्व का उद्देश्य - डॉ. अतुल कृष्ण

■ स्मार्ट विज़न समाचार

मेरठ: स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अदम्य साहस, त्याग, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेरठ में ह्यअखंड भारत स्वतंत्रता दिवस महापर्व-2026 के महापर्व के व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में ह्यअखंड भारत स्वतंत्रता दिवस महापर्व-2026 के द्वितीय चरण के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम चरण के विजेता प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, ज्ञान, तार्किक क्षमता और राष्ट्रप्रेम की भावना का परिचय दिया। इस चरण में मेरठ शहर के करीब 60 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों समेत सुभारती विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ये 1000 विद्यार्थी अपने अपने विद्यालयों से पहले चरण में पहली तीन वरीयता प्राप्त विद्यार्थी थे। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जानने-समझने का अवसर मिला। महापर्व का प्रमुख उद्देश्य नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत से जोड़ना तथा उनमें राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता की भावना को सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर प्रख्यात राष्ट्रवादी शिक्षाविद् व महापर्व के प्रणेता डॉ. अतुल कृष्ण ने अपने संदेश में कहा कि ह्यअखंड भारत स्वतंत्रता दिवस महापर्व-2026 केवल एक आयोजन



मात्र नहीं है, बल्कि यह नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली अतीत, स्वातंत्र्य समर के अमर सेनानियों के त्याग और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। हमारा उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना, अनुशासन और सामाजिक समरसता के मूल्यों को मजबूत करना है। महापर्व के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में बच्चों एवं युवाओं की बड़ी भागीदारी को देखकर मुझे विश्वास है कि आज के ये युवा कल राष्ट्र के जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता बनकर भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष कर्नल राजेश त्यागी, एसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि द्वितीय चरण की प्रतियोगिताओं में प्रथम चरण के विजेता विद्यार्थियों की सहभागिता उत्साहजनक है। इनमें मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, द आर्यन्स स्कूल, दीवान पब्लिक स्कूल, डीएच इंटर कॉलेज, वर्धमान एकेडमी और महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी शामिल रहे। कर्नल त्यागी ने कहा कि यह भागीदारी दशार्थी है कि नई पीढ़ी अपने राष्ट्रीय गौरव और स्वर्णिम अतीत से जुड़ने के लिए उत्सुक है। उन्होंने

कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, ऊर्जा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को उचित दिशा देना समय की आवश्यकता है। अखंड भारत का स्वतंत्रता दिवस महापर्व इसी उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ रहा है, ताकि युवा पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, वीर सपूतों के बलिदान और देश की एकता एवं अखंडता को महत्व को गहराई से समझ सके। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का दूसरे चरण में पहुंचना उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का प्रमाण है। निबंध लेखन, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी



क्षमताओं को निखारने तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का अवसर देती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से उनमें अनुशासन, नेतृत्व, तार्किक चिंतन और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुण विकसित होते हैं। कर्नल त्यागी ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान अर्जित करना, निरंतर सीखना और अपने विचारों को राष्ट्रहित से जोड़ना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महापर्व युवाओं में देश प्रेम, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना

को मजबूत करने के साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देगा। वहीं, महापर्व के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के मुख्य संयोजकों प्रो. (डॉ.) पिंदू मिश्रा, प्रो. (डॉ.) ऋतेष चौधरी, प्रो. (डॉ.) सीमा शर्मा और प्रो. (डॉ.) मोनिका मेहरोत्रा ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की तैयारी, रचनात्मकता और उत्साह की सराहना करते हुए संयुक्त रूप से कहा कि प्रतिभागियों की व्यापक सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि देश की युवा पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति

जागरूक हो रही है ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं और उन्हें समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रतियोगिताओं से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी भविष्य में अनुशासित, संवेदनशील, जागरूक और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत नागरिक बनेंगे तथा भारत को सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अखंड भारत स्वतंत्रता दिवस महापर्व-2026 का मुख्य कार्यक्रम मेरठ शहर में निकलने वाली भव्य झांकी रैली के रूप में रहेगा, जिसका आयोजन 21 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। इसमें विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं की ओर से आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। झांकियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता जैसे विषयों को रचनात्मक रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस रैली का उद्देश्य मेरठ के लोगों तक देश प्रेम, राष्ट्रीय गौरव और एकता का संदेश पहुंचाना है।

नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत डीएम एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पलैग मार्च

■ स्मार्ट विज़न समाचार

हरेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़। आगामी शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को सफुल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक महोदय के नेतृत्व में पक्का बाग से मां मनसा देवी मंदिर, बुलंदशहर रोड तक पलैग मार्च निकाला गया। पलैग मार्च के दौरान जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक महोदय ने मार्ग में पड़ने वाले दुर्गा पूजा पंडालों, दशहरा मेला स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का जायजा लिया। अधिकारियों के द्वारा दिए गए निर्देश सभी पूजा पंडालों एवं दशहरा मेला स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम एवं सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्यातायात व्यवस्था सुचारू रखने हेतु रूट



डायवर्जन एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए। अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए, सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना फैलाने वालों

के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। आम जनमानस से अपील की गई कि त्योहार को सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाएं।

एसएसपी दून के निदेशों पर संदिग्धों की तलाश हेतु फिर चला दून पुलिस का सत्यापन अभियान

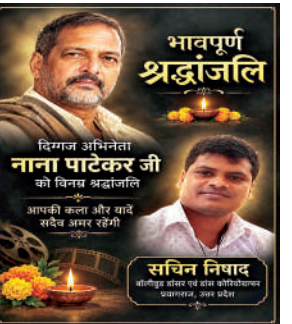
■ स्मार्ट विज़न समाचार

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अभियुक्तों एवं क्षेत्र में निवास कर रहे संदिग्धों/बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन तथा नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक को 10-10-2026 कोतवाली पटेल नगर पर गठित अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत अलग-अलग स्थानों, लोहियानगर, चमनपुरी, ब्रह्मपुरी, ब्राह्मणवाला, गाम सिटी आदि क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों/क्रियादेदारों व आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े व्यक्तियों के सत्यापन हेतु अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा 500 से अधिक क्रियादेदारों/बाहरी व्यक्तियों के साथ साथ

पूर्व के आपराधिक घटनाओं में लिप्त/प्रकाश में आये/जमानत पर चल रहे 12 अभियुक्तों का भौतिक सत्यापन किया गया, इस दौरान आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े अभियुक्तों को किसी आपराधिक घटना में पुनः लिप्त मिलने पर सख्त वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन के दौरान क्रियादेदारों/घरेलू नौकरों का सत्यापन न कराने व अन्य अनियमितता मिलने पर पुलिस द्वारा 35 भवन स्वामियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए उनका 03 लाख 50 हजार ₹ का जुर्माना किया गया। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा आगामी त्योहारों के दृष्टिगत मिलावटी खाद्य पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर लगाम लगाने के लिए थाना क्षेत्रान्तर्गत खाद्य पदार्थों का भंडारण करने वाले व्यक्तियों के साथ साथ डेयरी, गोदामों आदि जगहों पर भी खाद्य विभाग की टीम के साथ औचक छापेमारी की कार्रवाई की गई।

■ स्मार्ट विज़न समाचार

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। अपनी दमदार अदाकारी, बुलंद आवाज, प्रभावशाली संवाद अदायगी और बेमिसाल अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।



एक महान अभिनेता ही नहीं, बल्कि ऐसे कलाकार थे, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से समाज और देश के करोड़ों लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। सचिन निषाद ने कहा कि नाना पाटेकर की फिल्में, उनके यादगार किरदार और संवाद अदायगी हमेशा दर्शकों के दिलों में जीवित रहेंगे। हिंदी और मराठी सिनेमा

में उनके उल्लेखनीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी अभिनय यात्रा आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा, राना पाटेकर जी का इस दुनिया से चले जाना बेहद दुःख है। एक सच्चा कलाकार अपनी कला और अपने काम के माध्यम से हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहता है। उनका अभिनय, उनकी यादें और उनकी विरासत सदैव अमर रहेगी। सचिन निषाद ने ईश्वर से दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति तथा उनके परिवार और प्रशंसकों को इस कठिन समय में दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने अपनी ओर से महान अभिनेता को श्रद्धाधुमन अर्पित करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मधुवन कुमार सिंह ने संभाली हापुड़ जिले की कमान, अपराध नियंत्रण को बताया प्राथमिकता



■ स्मार्ट विज़न समाचार

हरेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़। जनपद में आजमगढ़ से स्थानांतरित होकर आए आईपीएस अधिकारी मधुवन कुमार सिंह ने हापुड़ के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पुलिस लाइन में उन्हें गार्द ने सलामी दी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से मुलाकात कर

जिले की कानून व्यवस्था और अपराध की स्थिति की जानकारी ली। मधुवन कुमार सिंह 26 अक्टूबर 1972 को जन्मे हैं और एम.ए. तक शिक्षित हैं। उन्होंने 1 अक्टूबर 2001 को PPS अधिकारी के रूप में वर्दी पहनी थी। करीब दो दशक तक विभिन्न जिलों में सेवा देने के बाद उन्हें 2020 बैच में आईपीएस के रूप में प्रमोत किया गया हापुड़ से पहले वह आजमगढ़ में



एसपी सिटी के पद पर तैनात थे, जहां उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर सराहनीय काम किया। इससे पहले अयोध्या में एसपी टैफिक रहते हुए उन्होंने रामनगरी की यातायात और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था को संभाला था। वे उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी माने जाते हैं। उनके पास कानून-व्यवस्था के साथ-साथ अपराध नियंत्रण,

इंटेलिजेंस और विजिलेंस में काम करने का लंबा अनुभव है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसपी ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण और जनसुनवाई उनकी प्राथमिकता रहेगी। किसी को भी कानून हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का प्रयास जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला: डॉ. प्रतिमा सिंह

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन को कथित रूप से बलपूर्वक कुचलने की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार के इशारे पर आंदोलनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों के प्रति सरकार की हिटलरशाही सोच को उजागर करता है। डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और संगठन को अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने, विरोध दर्ज कराने तथा सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। यदि किसी आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस तथा अर्द्धसैनिक बलों का सहारा लिया जाता है और आंदोलनकारियों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है।

नेताजी की पुण्यतिथि पर दिल्ली कूच को निकले सपाई, पिलखुवा टोल पर पुलिस ने रोका काफिला



■ स्मार्ट विज़न समाचार

हरेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को सपा जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष आनंद गुर्जर ने नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हवन कर नेताजी की पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद दोमिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम के बाद सपा कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में दिल्ली के

जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए। कार्यक्रमताओं के अनुसार, एनएच-9 के रास्ते दिल्ली जाते समय पिलखुवा टोल प्लाजा पर पहले से तैनात पुलिस बल ने जिला अध्यक्ष समेत कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को रोक लिया। सपा नेताओं ने पुलिस कार्रवाई का विरोध बताया। जिला अध्यक्ष आनंद गुर्जर ने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस तंत्र का इस्तेमाल कर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए दिल्ली जा रहे पार्टी कार्यकर्ताओं को रोकना उचित नहीं है। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम को प्रभावित करने के लिए कई पदाधिकारियों को उनके घरों पर नजरबंद किया गया था। इसके बावजूद कार्यकर्ता जिला कार्यालय पहुंचे और नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री भूपण, शरद त्यागी, तेजपाल प्रमुख, प्रीति रानी, अफसाना चौधरी, रेशमा अंसारी, पुरुषोत्तम वर्मा, राजेश यादव, आस मोहम्मद, फारूक प्रधान, मोहम्मद बिलाल, अब्दुल चौधरी, सलमान, ऋषभ त्यागी, संदीप, जावेद सैफ़ी, मुकेश कोरी, प्रियांक त्यागी, श्याम सुंदर और संजय सिंह यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग की पहल, 550 से अधिक नर्सिंग-पैरामेडिकल विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर निकली जागरूकता रैली

■ स्मार्ट विज़न समाचार
हरेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हापुड़ की ओर से 10 अक्तूबर को भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। इस वर्ष की थीम ह्यलिव्ड एक्सपीरियेंसेज हेडः रियल चॉइसेज, रियल चेंजहू के तहत आयोजित रैली का उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, मानसिक समस्याओं के शुरूआती लक्षणों को पहचानने और समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने के लिए प्रेरित करना रहा।

रैली का शुभारंभ सुबह आठ बजे पिलखुवा स्थित रामलीला मैदान से हुआ। विभिन्न मार्गों से होते हुए रैली सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, अनवरपुर पहुंची। जागरूकता संदेशों से सजी तख्तियां लेकर विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता, तनाव प्रबंधन और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ सहायता लेने का संदेश दिया।



रैली में करीब 550 नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विद्यार्थियों तथा 50 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मानसिक स्वास्थ्य भी संपूर्ण स्वास्थ्य का हिस्सा : कार्यक्रम सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) आर. पिरमिला के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता का अभिन्न हिस्सा है। मानसिक



समस्याओं के शुरूआती लक्षणों को पहचानकर समय पर विशेषज्ञ की सहायता लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाया जाना चाहिए, जहां व्यक्ति बिना



भय, संकोच या भेदभाव के अपनी मानसिक परेशानियों के बारे में बात कर सके।

विशेष संबोधन में पिलखुवा की



सर्किल इंस्पेक्टर लक्ष्मी कांत ने पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में आने वाले मानसिक तनाव और व्यावसायिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी उचित सहायता लेने के महत्व पर जोर दिया।

विद्यार्थियों ने भी दिया जागरूकता का संदेश

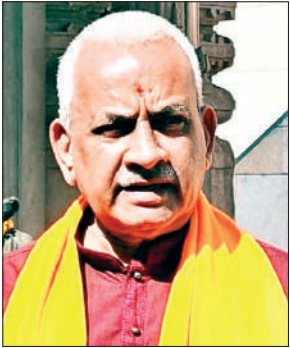
रैली में बीएससी नर्सिंग, जीएनएम,

एएनएम और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। बीएससी नर्सिंग पांचवें सेमेस्टर की छात्राओं तान्या और दिव्या ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। उन्होंने सहानुभूति, जागरूकता, समय पर हस्तक्षेप और सामुदायिक सहयोग को मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पहुंचने पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों

का स्वागत किया। इस दौरान ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, एन. वर्धराजन, रघुवर दत्त, लुक्रिसिया रूपावर्था, ऋतु अय्यर, ऋषि पाल सिंह, कृष्णराज, दीपक शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नर्सिंग ट्यूटर लिजी चौधरी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आर. जयप्रिया ने दिया। आयोजन में अतिथियों, संस्थान के अधिकारियों, शिक्षकों और आयोजन टीम को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) आर. पिरमिला ने सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ समाज में मानसिक समस्याओं से जुझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार को बढ़ावा देना जरूरी है।

देवीपाटन धाम की महिमा



■ स्मार्ट विज़न समाचार

बलरामपुर। तुलसीपुर स्थित देवीपाटन धाम की पौराणिक महिमा है। मंदिर क्षेत्र कारिडोर के साथ ही वर्तमान सरकार ने जनपद बलरामपुर की विकास की धारा में शामिल किया



है। कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां तीन सौ करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया था। नवरात्र की पूर्व पर योगी आदित्यनाथ बलरामपुर पहुंचे। उन्होंने आठ सौ करोड़ रुपये से अधिक लागत की

करीब अस्सी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनसे बलरामपुर के विकास और जनकल्याण को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलरामपुर की प्रत्येक आकांक्षा को अवसर और प्रत्येक संभावना को सामर्थ्य प्रदान

करने हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। तुलसीपुर स्थित देवीपाटन धाम को प्रमुख तीर्थटन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है।

औद्योगिक निवेश और 'एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत बलरामपुर में मसूर दाल का चयन किया गया है। यहां की 'रानी मसूर' और 'मल्का मसूर' की मांग पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तक पहुंच रही है।

जिले में करीब पच्चीस हजार करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से औद्योगिक क्षेत्र में तेजी आ रही है। बुनियादी ढांचा: सड़क, रेलवे, चिकित्सा, और शिक्षा के क्षेत्रों में भी बलरामपुर में लगातार सुधार और विस्तार हो रहा है।

भगवत प्रसाद मकवाना ने उतराखंड में 'रोबोटिक मेनहोल स्केवेंजर' देने के निर्देश

■ स्मार्ट विज़न समाचार

देहरादून। सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष (केंद्रीय राज्यमंत्री) भगवत प्रसाद मकवाना ने ओएनजीसी मुख्यालय तेल भवन देहरादून में आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारियों के अधिकारों एवं समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। विभागीय अधिकारियों ने श्री मकवाना का बुके एवं शील से स्वागत किया।

श्री मकवाना ने ओएनजीसी सीसीआर फंड से उतराखंड में भी रोबोटिक मेनहोल स्केवेंजर देने के निर्देश दिए साथ ही ओएनजीसी एवं उतराखंड निकायों में कार्यरत



आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारियों को शीतकाल के लिये ट्रैक सूट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों एवं आउटसोर्स एजेंसी को स्वच्छता कर्मचारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

ओएनजीसी की ओर से आउटसोर्स कर्मचारियों को दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधाओं एवं अधिकारों के प्रति खुशी जाहिर की साथ ही आउटसोर्स एजेंसी द्वारा दी जाने वाली वर्दी की गुणवत्ता पर नाराजगी जाहिर

की और सुधार करने के निर्देश दिए। श्री मकवाना ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सौवर्णिकता पर मिलने वाली न्यूनतम धनराशि 10 लाख रुपये करने के निर्देश दिए जिससे कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। विकास कार्यों की दिशा में ओएनजीसी सीसीआर फंड से पटेलनगर में महर्षि वाल्मीकि सामुदायिक भवन निर्माण, घंटाघर के निकट डॉ. भीमराव अंबेडकर परिसर के सौंदर्यकरण एवं देहरादून में बने जा रहे महर्षि वाल्मीकि चिक निर्माण में अपेक्षित सहयोग के भी निर्देश दिए।

'कर्मचारियों के दस्तावेज संबंधित ईपीएफ विभाग में लंबित वाद के शीघ्र निपटाने के भी निर्देश दिए।

पत्रकारों की एकजुटता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

सरधना में यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की जल्द गठित होगी नई कार्यकारिणी, संगठन विस्तार पर मंथन

नवीन मिश्रा सह संपादक
स्मार्ट शील समाचार

सरधना। यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) के संगठनात्मक विस्तार को लेकर शनिवार को सरधना तहसील अध्यक्ष रईस इदरीसी के आवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों को संगठन से जोड़ने और सरधना में जल्द से जल्द तहसील स्तर पर कार्यकारिणी गठित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपजा के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष गौरव चौधरी ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए सरधना में जल्द से जल्द टीम का गठन किया जाना जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों से



आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य पत्रकारों की एकजुटता बनाए रखना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना है।

बैठक में सरधना में संगठन की

आगामी बैठक आयोजित करने तथा नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन का विस्तार होने से क्षेत्र के पत्रकारों को एक साझा मंच मिलेगा और उनकी समस्याओं को संगठित तरीके से उठाने में मदद मिलेगी। सभी ने संगठन की मजबूती, आपसी सहयोग और पत्रकार



हितों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इस दौरान उपजा के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष गौरव चौधरी, शाह फिरोज, हशामे आलम, नवीन मिश्रा, दिलशाद सैफी, सोमेश भारद्वाज, प्रदीप गुप्ता, अम्मार सैफी, सरधना से रोहित चौधरी, राकेश गोस्वामी, राजीव नानु, अली, वकील साहब सहित अन्य लोग मौजूद रहे। किसान यूनियन

अराजनैतिक दल के जिला संगठन मंत्री अमित चौधरी छाबड़िया भी विशेष अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुए। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों और विस्तार की रणनीति पर चर्चा करते हुए सरधना में जल्द कार्यकारिणी गठित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

■ स्मार्ट विज़न समाचार
हरेन्द्र शर्मा वरिष्ठ पत्रकार

हापुड़। खाद्य सुरक्षा विभाग में एक बार फिर भ्रष्टाचार का जिन बोतल से बाहर आ गया है। विभाग से जुड़े प्राइवेट कर्मी चमन का एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है, जिसमें वह फूड लाइसेंस बनवाने के नाम पर 17 हजार रुपये की रिश्तवात मांगता हुआ सुनाई दे रहा है। ऑडियो वायरल होते ही विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि वायरल फोटो में चमन कोई बाहर का आदमी नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के बीच कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आ रहा है। इससे साफ है कि उसकी विभाग में कितनी गहरी पैठ है।

आखिर कौन है ये चमन : सूत्रों की मानें तो चमन कोई नया नाम नहीं है। यह प्राइवेट कर्मी पहले भी कई बार



सुर्खियों में रह चुका है। आरोप है कि विभाग का प्राइवेट मुलाजिम होने के बावजूद वह खुद को अधिकारी से कम नहीं समझता। फूड लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन और सैंपलिंग के नाम पर दुकानदारों से वसूली का उसका पुराना ट्रैक रिकॉर्ड बताया जा रहा है। आज भी उसके तार विभाग के कई अधिकारियों से जुड़े होने की चर्चा ज़ोरों पर है।

17 हजार में फूड लाइसेंस का 'पैकेज' : वायरल ऑडियो में सुना जा रहा है कि लाइसेंस के लिए सरकारी फीस तो कुछ सौ रुपये ही है, लेकिन चमन 17

हजार रुपये की मांग कर रहा है। ऑडियो में बातचीत का लहजा ऐसा है जैसे रिश्तवात नहीं, कोई फिक्स रेट बताया जा रहा हो। इस ऑडियो ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। सवाल ये उठ रहा है कि जब एक प्राइवेट कर्मी खुले आम रिश्तवात मांग रहा है, तो विभाग के असली अधिकारी क्या कर रहे हैं? क्या ये वसूली अकेले चमन की है या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है? फिलहाल, इस वायरल ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग जमकर विभाग को घेर रहे हैं और चमन पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।